उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा टोंक बस स्टैंड पर पहुंचे, गंदगी देख नाराजगी जताई

उपमुख्यमंत्री सवाईमाधोपुर डिपो की बस में चढ़ गए और परिचालक से सवारियों के बारे में पूछा

टोंक, (निसं)। रोडवेज बस स्टैण्ड पर शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई जब उपमुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा आये और रोडवेज बस कंडक्टर से से पूछा कि बस में कितनी सवारियां हैं, इस पर कंडक्टर उन्हें हैरानी से देखने लगा। बाद में वहां मौजूद लोगों ने कहा यह उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा है, यह सुनते ही कंडक्टर ने तुरंत प्रेमचंद बैरवा के पैर पकड़ लिये।

जानकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री बैरवा बांसवाड़ा से जयपुर आ रहे थे, तभी अचानक टोंक रोडवेज बस स्टैंड पर पहुंचे और पास में ही खड़ी सवाईमाधोपुर डिपो की बस में चढ़ गए। इस दौरान परिचालक से सवारियों के बारे में पूछा तो कंडक्टर शिवदास मीणा उनको देखने लगे बाद जानकारी मिलने पर परिचालक ने पैर पकड़ लिये तथा शालीनता से जवाब दिया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री बैरवा ने बस स्टैंड पर गंदगी देखकर प्रबंधक को बुलाया और फटकार लगाई। बाद में खुद उन्होंने झाड़ू उठाई और सफाई शुरू कर दी। इस पर उन्होंने सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। वहीं लोगों की समस्या सुनकर बंद पड़े बुकिंग विंडो को चालू करने के भी निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने बस स्टैंड पर गंदगी देखकर झाड़ू उठाई और सफाई शुरू कर दी।

इस दौरान डिपो मैनेजर पवन मीणा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा अचानक निरीक्षण करने पहुंचे थे। सफाई व्यवस्था और बेहतर करने के निर्देश दिए हैं, फिलहाल विंडो स्टाफ की कमी से बंद है, जल्द ही मुख्यालय को स्टाफ बढ़ाने के लिए पत्र लिखा जाएगा, बाद में स्टाफ बढ़ने पर बुकिंग विंडो शुरू कर दी जाएगी।

इसी दौरान बाद में भाजपा कार्यकर्ताओं को सूचना मिलने पर जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान व अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने रोडवेज बस स्टैंड पहुंचकर उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ने जयपुर जाते समय पॉलिटेक्निक कॉलेज का भी निरीक्षण किया। स्टूडेंट्स ने कॉलेज के पास रोडवेज बसें नहीं रुकने की बात कही।

मौके पर उपमुख्यमंत्री बैरवा ने तुरंत अधिकारियों को पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास रोडवेज बसों के स्टापेज बनाने के निर्देश दिए। कुछ समय बाद ही इसके आदेश भी जयपुर मुख्यालय से जारी कर दिए गए। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमने रोडवेज बसों का 40 किलोमीटर से दायरा बढ़ाकर 400 किलोमीटर किया है, जहां भी कुछ कमियां है, उनमें सुधार करके आम आदमी को राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

- **जानकारी मिलने पर परिचालक ने उपमुख्यमंत्री के पैर पकड़ लिये तथा शालीनता से जवाब दिया**

नवजात को जंगल में फेंकने की वारदात का पर्दाफाश

वारदात में शामिल कुंवारी युवती और उसके पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ थाना पुलिस ने 10 दिन के नवजात शिशु को मरने के लिए जंगल में फेंकने वाली कुंवारी निर्दयी मां और इसके पिता को पुलिस ने वारदात के 48 घण्टे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। बाप और बेटी ने मिलकर अवैध जन्मे दोहिते को मौत के मुंह में धकेल कर धर्मशाला में जाकर सो गए। वहीं घटना के वक्त दोहिते को मौत के आग़ोश में जाते देख निर्दयी युवती की मां का कलेजा कांप रहा था। आखिरकार नवजात शिशु को भगवान ने नई जिंदगी दे डाली, और वारदात करने वालों को सलाखों के पीछे धकेल दिया।

मांडलगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीते 23 सितम्बर को खेराड इलाके के सीता का कुंड के जंगल मे पत्थरों के ढेर में दबे एक नवजात शिशु को मांडलगढ़ पुलिस ने बरामद किया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर कुमाता की तलाश शुरू की। इस दौरान सहायक उप निरीक्षक रामलाल मीना और इनकी टीम ने स्थानीय मुखबिरी, अस्पतालों की डिटेल के आधार पर अनुसन्धान कर वारदात में शामिल पिता और उसकी 21 साल की कुंवारी बेटी को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस पिता और पुत्री से वारदात को अंजाम देने के बारे में कड़ी पूछताछ कर रही हैं।

- **बाप और बेटी ने मिलकर नवजात शिशु के मुंह में फेविक्विक लगाकर पत्थर डाला और बड़े-बड़े पत्थरों के ढेर में दबाकर फरार हो गए थे**

मिली जानकारी के मुताबिक युवती के किसी से अवैध सम्बन्ध होने के दौरान वह गर्भवती हो गई, जिसका युवती के माता पिता को 6 माह बाद पता चला। बदनामी के डर से युवती को लेकर उसके माता पिता बूंदी जिले के एक गांव में आकर रहने लगे। युवती को बीते 14 सितम्बर को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन गर्भवती युवती को अस्पताल में ले गए, जहां युवती के कथित पति रामलाल का फर्जी नाम दर्ज करा कर प्रसव कराया गया, जहां उसने बच्चे को जन्म दिया। 15 सितम्बर को परिजन युवती को अपने घर ले आए। समाज और गांव में बदनामी को छुपाने के लिए युवती के पिता ने नवजात शिशु को मौत के मुँह में धकलने की योजना बनाई और 23 सितम्बर को दोपहर में युवती, उसकी माता और पिता बस में बैठ कर सीता का कुंड महादेव पर पहुंचे, जहां सड़क से दूर जंगल में नवजात शिशु के मुँह में फेविक्विक लगाकर पत्थर डाला और बड़े-बड़े पत्थरों के ढेर में दबाकर फरार हो गए। इस वारदात के दौरान आरोपी कुंवारी युवती की मां ने उसके पति और बेटी को दोहिते को जंगल में फैंकने के लिये रो-रो कर मना किया था, लेकिन उसकी बात नहीं मानी। वारदात के बाद सीता का कुंड से तीनों बस में बैठ कर तिलस्वां महादेव चले गए और वहां एक धर्मशाला में ठहर गए थे, पुलिस की गठित टीम ने मध्यप्रदेश और वारदात स्थल के आसपास मुखबिरी के आधार पर आरोपियों की तलाश कर जल्द गिरफ्तार किया है।

कुंवारी लड़की के जन्मे 20 दिन के शिशु के मुँह में फेविक्विक डालने और गर्म पत्थरों के बीच जमीन पर पड़े रहने से उसके शरीर में इंफेक्शन बढ़ गया। नवजात शिशु का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है, वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में शिशु को रखा गया है। वहीं नवजात को गोद लेने वाले दम्पती आगे आ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने कुमाता और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है, कुंवारी युवती के किस्से अवैध सम्बन्ध थे जिसकी जांच की जा रही हैं। वहीं नवजात बच्चे और उसकी निर्दयी मां का डीएनए टेस्ट भी कराया जाएगा।

सायबर फ्रॉड में लिप्त बैंक खाते का खाताधारक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने सायबर फ्रॉड में लिप्त बैंक खाते के खाताधारक को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों की घटनाओं को देखते हुए साइबर थाना एवं प्रत्येक थाना स्तर पर सायबर हेल्प डेस्क टीम का गठन किया जाकर टीम को सायबर अपराधों की रोकथाम हेतु साइबर ठगों व बैंक खातों की खरीद-फरोख्त करने वाले व्यक्तियों की धरपकड़ के लिये निर्देशित किया गया है।

शहर एसपी ने कहा कि सायबर अपराधों में लिप्त बैंक खातों के खाताधारको एवं फर्जी सिम विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही हेतु अभियान चलाये जा रहे हैं। शहर एसपी ने बताया कि इसी क्रम में पुलिस उप अधीक्षक योगेश शर्मा के सुपरविजन में गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने साइबर अपराधों के उपयोग में लिये गये बैंक खातों का रिकॉर्ड प्राप्त किया, जिसमें खाताधारक नासिर खान के विरूद्ध गुजरात व हरियाणा में तीन साइबर शिकायतें दर्ज होना पाया गया। शहर एसपी ने बताया कि टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए रामचन्द्रपुरा छावनी निवासी नासिर खान को डिटेन कर पूछताछ की तो खाता धारक द्वारा खाता स्वयं का होना बताकर जोश आक्रोश में आ गया, जिस पर खाताधारक नासिर खान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पाबंद कराया गया। शहर एसपी ने कहा कि यदि खाता धारक को गिरफ्तार नहीं किया जाता तो वह अवश्य किसी सायबर घटना को अंजाम दे सकता था। शहर एसपी ने कहा कि मामले में खाताधारक के खाते का पूर्ण रिकॉर्ड प्राप्त कर कार्रवाई जारी है।

नकबजनी का आरोपी पकड़ा

बूंदी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने रजतगृह कॉलोनी में हुई नकबजनी का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी प्रदीप बैरागी को गिरफ्तार कर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है। अनिता मीणा, निवासी रजतगृह गेट नंबर 6, बूंदी ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वे 6 अगस्त को रात करीब 8 बजे अपने मकान पर ताला लगाकर गांव चली गई थी। उनके मकान में 8 जून की रात को अज्ञात व्यक्तियों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने एक हाथ घड़ी , गुल्लक से लगभग 3 हजार रुपए, अलमारी में रखे 10 हजार रुपए नकद चुराए। इसके अतिरिक्त, चांदी की तीन चुटकी, चांदी की दो जोड़ी पायल, सोने की एक बाली, एक नाक का कांटा, एक कैमरा और सोनाटा व टाइटन कंपनी की दो हाथ की घड़ियां भी चोरी हुई थी।

प्रदेश में नवीं कक्षा में प्रवेश लेने वाली 3.70 लाख छात्राओं को साइकिल का इंतजार

साइकिल नहीं मिलने से ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं तीन माह से पैदल ही स्कूल जा रही है

बीकानेर, (निसं)। नया शिक्षा सत्र शुरू हुए तीन माह पूरे होने वाले हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों की नवी कक्षा में दाखिला लेने वाली छात्राओं को अभी तक निशुल्क साइकिल नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार पिछली बार की तरह इस बार भी साइकिल वितरण में विलंब हो रहा है। शिक्षा विभाग ने साइकिलों की खरीदने के लिए सितंबर माह में टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। अक्टूबर में वर्क आर्डर जारी होने की संभावना है। इसके बाद सप्लाई में तीन माह का वक्त और लगेगा। ऐसे में दिसंबर से पहले साइकिलों के पार्ट्स जिलों में पहुंचना संभव नहीं हो पाएगा।

इंस्टालेशन में दो माह का समय लगेगा। इसके बाद वितरण की प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं 12 दिसंबर से 24 दिसंबर तक होगी। पिछले साल भी 9वीं कक्षाओं की छात्राओं को दिसंबर-जनवरी माह में साइकिलों का वितरण शुरू किया गया था। कमोबेश यही स्थिति इस शिक्षा सत्र में बन रही है। साइकिल नहीं मिलने से ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं पिछले तीन माह से पैदल ही स्कूल जा रही है।

उधर, अभिभावक और शिक्षक नेता का कहना है कि राज्य सरकार की योजना अच्छी है लेकिन समय पर साइकिल नहीं मिलने से छात्राओं को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। शिक्षा निदेशालय ने जिलेवार निशुल्क साइकिल के लिए पात्र छात्राओं की संख्या मांग ली है। बीकानेर जिले में शिक्षा सत्र 2025-26 में 9वीं कक्षा में अध्यनरत 11586 छात्रों को निशुल्क साइकिल का वितरण किया जाएगा, जबकि पिछले साल जिले में 12081 छात्राओं को निशुल्क साइकिल का वितरित की गई थी।

- **पिछली बार की तरह इस बार भी साइकिल वितरण में विलंब हो रहा है**
- **शिक्षा विभाग ने साइकिलों की खरीदने के लिए सितंबर माह में टेंडर प्रक्रिया शुरू की है**

अतिक्रमणकारियों ने बुजुर्ग महिला का अन्तिम संस्कार रोका

प्रदर्शन के बाद पुलिस की समझाइश पर महिला का दाह संस्कार हुआ

टोंक, (निसं)। घाड़ थाना क्षेत्र के भंवरकोल गांव में अतिक्रमण के चलते 70 साल की बुजुर्ग महिला का शव छह घंटे तक अंतिम संस्कार बिना पड़ा रहा तथा मृतक के बेटे ने शव के रास्ते में आने वाले अतिक्रमण के खेत की मेढ़ को हटाने का प्रयास किया तो किसान मालिक भड़क गया और थप्पड़ मार दी। बाद में सूचना पहुंचे तहसीलदार ने मामला शांत करवाया तथा बाद में बुजुर्ग का अंतिम संस्कार किया गया।

घाड थाना प्रभारी हरिराम वर्मा ने बताया कि शिकायत मिलने पर पंहुचे टोंक तहसीलदार मानवेंद्र सिंह जायसवाल, देवली डीएसपी रामसिंह व अन्य पुलिस दल ने अतिक्रमण हटवाकर अंतिम संस्कार करवाया। अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि भंवरकोल निवासी भूरी देवी बैरवा (70) की गुरूवार को मौत हो जाने के बाद परिजन जब उसके अंतिम संस्कार हेतु ट्रैक्टर में लकड़ियां भरकर श्मशान घाट पहुंचे तो वहां पर श्मशान के रास्ते में और श्मशान में कुछ लोग तारबंदी कर रखी थी। उसे परिजनों द्वारा हटाया जा रहा था, तभी लोडक्या गुर्जर मौके पर आकर परिजनों को श्मशान घाट पर जलाने से मना कर दिया और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए देवलाल बैरवा के थप्पड़ मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही समाज के लोगों में आक्रोश का माहौल हो गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण शव को श्मशान के रास्ते में ले गए और शव को रखकर प्रदर्शन करने लगे। जिसकी सूचना मिलने पर घाड़ थाना प्रभारी हरिराम वर्मा मय जाब्ता मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाया तथा बाद में मौके पर देवली डीएसपी व टोंक तहसीलदार ने पहुंचकर परिजनों को समझाते हुए श्मशान भूमि पर जेसीबी मशीन से ढोलबन्दी कर शव का अंतिम संस्कार कराया। इस दौरान मृतका के बेटे देवलाल बैरवा की ओर से थानेदार को दी गई रिपोर्ट देकर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

- **मृतका के बेटे ने रिपोर्ट देकर अतिक्रमियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की**

निजी कृषि भूमि पर अतिक्रमण कर पीएम आवास योजना के तहत बनाया मकान

खातेदारों ने एसडीएम व विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की

छबड़ा, (निसं)। कस्बे में निजी व्यक्तियों के खातेदारी की कृषि भूमि पर अतिक्रमण कर पीएम आवास बनाए जाने का मामला सामने आया है। खातेदारों ने एसडीएम व विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की नियमानुसार जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने व अतिक्रमियों को भूमि से बेदखल किए जाने की मांग की।

खातेदार जगदीश ऐरवाल व ललित कुमार वर्मा ने एसडीएम व विकास अधिकारी को दिए ज्ञापन में बताया कि उनके व अन्य खातेदारों की शांमलाती भूमि खाता संख्या 113 की खसरा नम्बर 24/1117 रकबा 0.9485 हेक्टेयर चांचौड़ा में स्थित हैं। उक्त खातेदारी की भूमि पर रमेश धाकड़ पुत्र देवलाल निवासी चांचौड़ा ने अतिक्रमण कर पीएम आवास योजना का लाभ लेते हुए मकान का निर्माण कर लिया। वहीं, उक्त अतिक्रमणसुदा भूमि पर ग्रामसेवक ने नियम विरूद्ध किश्तें भी जारी कर दी। जब उन्होंने अतिक्रमी रमेश से मकान बनाने के लिए मना किया तो वह लड़ाई-झगड़ा करने पर अमादा हुआ। उक्त भूमि का प्रकरण भी न्यायालय में विचाराधीन हैं। बावजूद इसके ग्राम सेवक ने किश्तें जारी कर दी और रमेश ने अतिक्रमण कर मकान बना लिया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना के तहत नियम विरूद्ध तरीके से किश्तें जारी करना मिलीभगत और अतिक्रमियों को बढ़ावा देने की ओर इशारा करता है।

इस मामले में सहायक विकास अधिकारी राजेंद्र मीणा ने बताया कि इस सम्बंध में ग्राम सेवक को पत्र जारी कर मामले की जांच करवाई जाएगी। यदि यह मामला नियम विरूद्ध पाया जाता है तो निर्माणाधीन पीएम आवास रोक लगा दी जाएगी और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

- **उक्त भूमि का प्रकरण भी न्यायालय में विचाराधीन हैं, बावजूद इसके ग्रामसेवक ने किश्तें जारी कर दी**

शिक्षक संघ का सम्मेलन शुरू

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का जिला स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन के मुख्य अतिथि ज्वालाप्रसाद झाझड़िया सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, विशिष्ट अतिथि बीरबल सिंह सुंडा प्रधानाचार्य, बजरंग सिंह मूंड प्रदेश प्रतिनिधि थे। हवासिंह बामिल जिलाध्यक्ष ने सभी आगंतुक को एवं अतिथियों का स्वागत किया एवं शिक्षा नीति 2020 पर विचार व्यक्त किये। जिला मंत्री सुशील बुडानिया ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। चर्चा में विक्रमसिंह बुडानिया, सुभाष झाझड़िया, उम्मेदसिंह ढाका, सुरेंद्र कुमार महला, मूलचंद डूडी, केशर देव, पंकज कुमार, मानवेंद्र जैफ, हर्ष महला, रामावतार, ओमप्रकाश शर्मा, प्रभातीलाल सिरोवा सहित अन्य ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, गैर शैक्षिणक कार्यों से मुक्ति, पीडी मद का बजट एक मुश्त जारी करन सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई।

भीलवाड़ा की टूटी एवं गड्ढों वाली सड़कों को लेकर स्थाई लोक अदालत सख्त

जिला कलेक्टर, नगर निगम, यूआईटी, पीडब्ल्यूडी सहित सात को नोटिस जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की टूटी-फूटी और गहरे गड्ढों से भरी सड़कों को लेकर पर्यावरणविद बाबूलाल जाजू की अधिवक्ता श्यामलाल मल्होत्रा के मार्फत दायर परिवाद में स्थाई लोक अदालत भीलवाड़ा के अध्यक्ष शाहबुद्दीन, सदस्य गोरधन सिंह कावड़िया व सदस्या सुमन त्रिवेदी ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला कलेक्टर, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, नगर विकास न्यास, आरयूआईडीपी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को नोटिस जारी कर 13 अक्टूबर को अदालत में उपस्थित होने के आदेश दिए।

जाजू ने याचिका में बताया कि शहर में सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब है। गहरे गड्ढों और टूटी सड़कों के चलते आमजन को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन हादसे हो रहे हैं, जिससे लोग घायल हो रहे हैं। साथ ही, बरसात में गड्ढों में पानी भरने से मच्छर पनप रहे हैं और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। जाजू ने परिवाद में शहर की सैकड़ों जगहों की तस्वीरें भी न्यायालय में प्रस्तुत कीं। इनमें नगर निगम काइन हाउस चौराहा, कांवाखेड़ा, गंगापुर तिराहा, शास्त्री नगर, काशीपुरी चौराहा, तेजसिंह सर्कल, हरणी महादेव चौराहा, कृषि उपज मंडी रोड, सोनी हॉस्पिटल रोड, कनक पेट्रोल पंप रोड, जेल चौराहा, गर्ल्स कॉलेज चौराहा, हनुमान टेकरी, बड़ला चौराहा, गुरु गोविंद सिंह मार्ग, चामुंडा माता मंदिर रोड, आयकर भवन रोड सहित अनेक स्थान शामिल हैं। जाजू ने परिवाद में बताया कि 6 सितम्बर को नगर निगम आयुक्त, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और जिला कलेक्टर को लिखित में सड़कें ठीक करने का निवेदन भी किया गया, लेकिन लापरवाही बरतते हुए कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अधिवक्ता श्यामलाल मल्होत्रा ने बताया कि सड़कें सार्वजनिक उपयोगिता सेवा का हिस्सा हैं और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों को सुगम आवागमन का मौलिक अधिकार है। जाजू ने परिवाद में दीपावली से पहले शहर को पाँच क्षेत्रों में बाँटकर सभी टूटी सड़कों और गहरे गड्ढों की मरम्मत कर गुणवत्तापूर्ण सड़कें बनवाने का आदेश जारी करने का निवेदन किया।

- **अधिकारियों को नोटिस जारी कर 13 अक्टूबर को अदालत में उपस्थित होने के आदेश दिए**

भीलवाड़ा शहर में कई जगह पर टूटी-फूटी और गहरे गड्ढों से भरी सड़कों से आमजन परेशान हैं।

नेशनल हाइवे पर चलती ईको कार में आग लगी, बाल-बाल बचा परिवार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद नेशनल हाइवे-158 पर हरिपुरा चौकी के पास शुक्रवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जहां चलती हुई ईको कार अचानक आग की लपटों में घिर गई और जलकर खाक हो गई।

गनीमत यह रही कि कार में सवार एक पूरा परिवार सुरक्षित बाहर निकल आया। यह घटना जिवलिया बस स्टैंड के निकट हुई बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, कार में सवार परिवार आसींद से भीलवाड़ा की ओर जा रहा था। नेशनल हाइवे-158 पर पहुंचते ही अचानक चलती कार में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों और नेशनल हाइवे की मेंटेनेंस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। इस घटना की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ी लगभग आधे घंटे की देरी से घटनास्थल पर पहुंची। तब तक गाड़ी पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुकी थी। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों की अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। आसींद निवासी दीपक पूरी, उनकी पत्नी सोनू देवी और पुत्र तोनू पूरी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंचकर सूझबूझ से बचाया। अग्निशमन को बुलाया गया तब जाकर आग पर काबू पाया गया।

- **कार में सवार परिवार आसींद से भीलवाड़ा की ओर जा रहा था**

ईको कार अचानक आग की लपटों में घिर गई और खाक हो गई।